INTERNATIONAL INDIAN SCHOOL DAMMAM
EXAMINATION – S.A.– I – 2013

Time – 3 HRS | Class – 10 | M.M. – 90

निर्देश – इस प्रश्न–पत्र के चार खंड है – 'क', 'ख', 'ग' और 'घ', सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनिए– (5)

बूढ़े सियार ने भेड़ों को रोक कर कहा, भाइयो और बहनो! अब भय मत करो। भेड़िया राजा संत हो गए हैं। उन्होंने हिंसा बिल्कुल छोड़ दी है। उनका हृदय परिवर्तन हो गया है। वे आज सात दिनों से घास खा रहे हैं। रात–दिन भगवान के भजन व परोपकार में लगे हैं। उन्होंने अपना जीवन जीव–मात्र की सेवा में अर्पित कर दिया है। अब वे किसी का दिल नहीं दुखाते, किसी का रोम तक नहीं छूते। भेड़ों से उन्हें विशेष प्रेम है। इस जाति ने जो कष्ट सहे हैं, उनको याद करके कभी–कभी भेड़िया संत की आँखों में आँसू आ जाते हैं। उनकी अपनी भेड़िया जाति ने जो अत्याचार आप पर किए हैं, उनके कारण संत का माथा लज्जा से जो झुका है, सो झुका ही हुआ है, परतु अब वे शेष जीवन आपकी सेवा में लगाकर प्रायश्चित करेंगे। आज सवेरे की बात है कि एक मासूम भेड़ के बच्चे के पाँव में काँटा लग गया तो भेड़िया संत ने उसे दाँतों से निकाला; पर ज बवह बेचारा कष्ट में चल बसा तो भेड़िया संत ने सम्मानपूर्वक उसकी अंत्योष्टि क्रिया की। उनके घर के पास हड्डियों का जो ढेर आप देख रहे हैं, वह उसी का है। अब वे सर्वस्व त्याग चुके हैं। अब आप भय मत करो।

(क) बूढ़े भेड़िया का हृदय परिवर्तन कैसे हो गया? (1)

(i) भेड़िये ने मांस खाना शुरू कर दिया

(ii) उसने घास खानी शुरू कर दी

(iii) उसने सभी खाना छोड़ दिया

(iv) किसी की भी तरफ आँख उठाना बंद कर दिया।

(ख) 'भेड़ों से उन्हें विशेष प्रेम है', इसका आशय है (1)

(i) गरीबों के खून को चूसा जाए

(ii) उनका उद्धार किया जाए

(iii) गरीबों को बढ़ावा दिया जाए

(iv) गरीबों से कुछ न कहा जाए

(ग) प्रस्तुत कहानी में किस पर व्यंग्य किया गया है? **(1)**

(i) अमीरों पर (ii) लोकतंत्र पर

(iii) चुनाव प्रक्रिया पर (iv) भेड़िये पर

(घ) 'प्रायश्चित्त' शब्द का अर्थ है– **(1)**

(i) अंतिम संस्कार (ii) कपटी

(iii) पश्चात्ताप (iv) उपाय

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है? **(1)**

(i) गरीब–अमीर (ii) मेरा पश्चात्ताप

(iii) भय की समाप्ति (iv) भेड़िये व भेड़ें

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनिए– **(5)**

महँगाई या मूल्यवृद्धि से आज समस्त विश्व त्रस्त है। भारत बढ़ती मँहगाई की चपेट में बुरी तरह से जकड़ा हुआ है। जीवनोपयोगी वस्तुओं के दाम दिन–प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं जिनसे जन–साधारण को अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। महँगाई से देश के आर्थिक ढाँचे पर अत्यधिक दवाब पड़ रहा है। महँगाई के निर्मम चरण अनवरत रूप से अग्रसर है; पता नहीं वे कब व कहाँ रुकेंगे, आज कोई भी वस्तु बाजार में सस्ते दामों पर उपलब्ध नहीं है, समाज का प्रत्येक वर्ग महँगाई की मार को अनाहूत अतिथि की तरह सहन कर रहा है, इसका सर्वग्राही प्रभाव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र पर पड़ रहा है। सरकारी योजनाओं पर अत्यधिक खर्च हो रहा है। अपने स्वार्थ के लिए लोगों में धार्मिक सामाजिक तथा नैतिक मान्यताएँ पीछे छूट जाती है और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो जाता है। अर्थशास्त्र की मान्यता है कि किसी वस्तु की माँग उत्पादन से अधिक हो तो मूल्यों में स्वाभाविक रूप से वृद्धि हो जाती है।

(क) आज महँगाई से कौन दुखी है? **(1)**

(i) उद्योगपति (ii) सारा विश्व

(iii) चीन (iv) नेपाल

(ख) महाँगाई से देश का कौन–सा ढाँचा डगमगा रहा है? **(1)**

(i) आर्थिक (ii) सामाजिक

(iii) राजनैतिक (iv) नैतिक

(ग) **अर्थशास्त्र के अनुसार महँगाई का कारण है?** (1)

(i) माँग से अधिक उत्पादन (ii) धार्मिक मान्यताएँ

(iii) उत्पादन से अधिक माँग (iv) राजनैतिक दबाव

(घ) **'अनाहत' का विलोम शब्द है?** (1)

(i) हत (ii) आहूत

(iii) अहूत (iv) नाहुत

(ङ) **इस गद्यांश का उचित शीर्षक है–** (1)

(i) भ्रष्टाचार (ii) अर्थशास्त्र

(iii) जमाखोरी (iv) महँगाई

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनिए–** (5)

आज तुम्हें मुक्ति मिली, कौन तुम्हें दास कहे?
स्वामी तुम ऋतुओं के संवत् के संग–संग चलते चलो।
नदियों ने चलकर ही
सागर का रूप लिया
मेघों ने चलकर ही
धरती को गर्भ दिया
रुकने का मरण नाम, पीछे सब प्रसार है।
आगे है रंगमहल, युग के ही संग–संग चलते चलो।
मानव जिस ओर गया
नगर बने, तीर्थ बने
तुम से है कौन बड़ा?
गगन–सिंधु मित्र बने,
भूमि का भोगों सुख, नदियों का सोम पियो
त्यागे सब जीर्ण वसन, नूतन के संग–संग चलते चलो।

(क) इस कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है? (1)

(i) निरतरंता का (ii) बादलों की तरह गर्जना

(iii) सागर की तरह अथाह होने का (iv) ऋतुओं की तरह परिवर्तित होने का

(ख) 'युग के संग–संग चलते चलो' – का क्या आशय है? (1)

(i) समय के साथ चलना (ii) नदियों की तरह बहना

(iii) रंग महलों के साथ चलना (iv) आकाश व सागर के साथ चलना

(ग) त्यागे सब जीर्ण वसन– का तात्पर्य है (1)

(i) सब पुराने वस्त्र त्याग दो (ii) सदा नए वस्त्र धारण करो

(iii) पुरानी सड़ी गली रूढ़ियों को त्याग दो (iv) सभी भावनाओं को त्याग दो

(घ) 'स्वामी तुम ऋतुओं के, संवत, के संग–संग चलते चलो' – इस पंक्ति का अर्थ है (1)

(i) तुममें परिवर्तन की शक्ति है (ii) तुम मौसम बदल सकते हो

(iii) तकनीकी विकास की ओर संकेत (iv) नए वर्ष की ओर संकेत

(ङ) 'तुमसे है कौन बड़ा' – कवि ने मनुष्य को सबसे बड़ा क्यों कहा है? (1)

(i) निरंतर संघर्ष के कारण (ii) सृष्टि के निर्जीव तत्वों को जानने के कारण

(iii) सृष्टि के सजीव तत्वों का रहस्य जानने के कारण

(iv) सृष्टि के सजीव व निर्जीव तत्वों पर विजय पाने के कारण

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनिए– (5)

यह सड़क पर जो खून बह रहा है
उसे सूँघकर तो देखो
और पहचानने की कोशिश करो
यह हिन्दू का है या मुसलमान का
किसी सिक्ख का है या ईसाई का
किसी बहन का या भाई का
सड़क पर इधर–उधर पड़े
पत्थरों के नीच में दबे
टिफ़िन कैरियर से

जो रोटी की गंध आ रही है
वह किस जाति की है,
हाँ मैं बता सकता हूँ
यह खून उस आदमी का है
जिसके टिफ़िन में बंद
रोटी की गंध
उस जाति की है
जो घर और दफ़्तर के बीच
साइकिल चलाती है
और जिसके सपनों की उम्र
फ़ाइलों में बीत जाती है।

(क) इस कविता में कवि क्या चित्रित कर रहा है? (1)

(i) सड़क पर खून को (ii) आतंकवाद की समस्या का

(iii) व्यक्ति की पहचान का (iv) संस्कृति का

(ख) टिफ़िन कैरियर से किस चीज़ की खुशबू आ रही थी? (1)

(i) रोटी (ii) फूल

(iii) पत्ते (iv) फल

(ग) इस पदयांश में किन धर्मो का उल्लेख नहीं हुआ है– (1)

(i) हिंदू (ii) मुस्लिम

(iii) सिख (iv) पारसी

(घ) इस कविता में क्या पहचानने को कहा है? (1)

(i) रंग को (ii) रूप को

(iii) खून से व्यक्ति के धर्म, जाति व लिंग की पहचान करने को

(iv) चेहरा पहचानने को

(ङ) इनमें से कौन–सा शब्द अंग्रेज़ी भाषा का नहीं है? **(1)**

(i) टिफ़िन (ii) साईकिल

(iii) फाइल (iv) सड़क

खंड - ख

5. (क) शब्द पद कब बन जाता है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **(2)**

(ख) रेखांकित पदबंधों को पहचान कर उनके भेद का नाम लिखिए– **(2)**

(i) मोहन बहुत तेज़ी से बोला।

(ii) एक छोटी लड़की रिक्शा में जा रही है।

6. (क) रेखांकित पदों का पद–परिचय दीजिए– **(3)**

(i) मेरा छोटा भाई दसवीं कक्षा में पढ़ता है।

(ii) बच्चे स्कूल जा रहे हैं।

(iii) बूढ़ा व्यक्ति धीरे–धीरे चल रहा है।

(ख) रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए– **(1)**

बादल गरजे और बरस कर चले गए।

7. (क) संधि–विच्छेद कीजिए– **(1)**

राजर्षि, इत्यादि।

(ख) संधि कीजिए– **(2)**

शिक्षा + अर्थी, राका + ईश, लोक + उक्ति, सर्व + उत्तम।

8. (क) निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए– **(2)**

(i) साक्षी बाज़ार जाकर फल खरीद लाई। (संयुक्त वाक्य में)

(ii) निर्मल ह्रदय वाले व्यक्ति को कोई भयभीत नहीं कर सकता (मिश्र वाक्य में)

(ख) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए– **(3)**

(i) कुल की परंपरा (समस्त–पद बनाकर भेद का नाम लिखिए)

(ii) विशालकाय (समास विग्रह कीजिए)

(iii) महात्मा (समास विग्रह कीजिए)

9. (क) स्तंभ 'क' में दिए मुहावरों का मिलान स्तंभ 'ख' में दिए उनके अर्थो से कीजिए— (2)

	स्तंभ 'क'	स्तंभ –'ख'
(i)	साये से भागना	अत्यंत मुश्किल
(ii)	पाँव पसारना	कोशिश करना
(iii)	पहाड़ के समान	घबराना/दूर रहना
(iv)	हाथ–पाँव हिलाना	फैलाव बढ़ाना

(ख) निम्नलिखित लोकोक्तियों में से किन्ही दो के अर्थ लिखिए— (2)

(i) कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली।

(ii) अधजल गगरी छलकत जाए।

(iii) एक हाथ से ताली नहीं बजती।

(iv) खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

खंड - ग

10. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटिए— (5)

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं, मैं नाहि।

सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।।

(i) 'मैं' किसका प्रतीक है? (1)

(क) प्रेम (ख) अहम्

(ग) प्रकाश (घ) अँधियारा

(ii) हरि की प्राप्ति किस कारण से नहीं होती? (1)

(क) गर्व (ख) शोक

(ग) मान (घ) घमंड

(iii) प्रस्तुत दोहे की रचना किसने की है? (1)

(क) घनानंद (ख) रहीम

(ग) कबीर (घ) मीरा

(iv) 'अज्ञान का अंधकार कब मिटा ? (1)

(क) जब आत्मारूपी दीपक जला (ख) जब बाहर प्रकाश फैला

(ग) जब आत्मा का एहसास हुआ (घ) जब आत्मा प्रसन्न हुई

(v) दीपक किसका प्रतीक है– (1)

(क) ज्ञान का (ख) अज्ञान का

(ग) अंधकार का (घ) हरि का

अथवा

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल–पल परिवर्तित प्रकृति–वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग–सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार–बार
नीचे जल में निज महाकार,
–जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण–सा फैला है विशाल्!

(i) कवि ने पर्वत प्रदेश में किस ऋतु का वर्णन किया है? (1)

(क) सरदी (ख) ग्रीष्म

(ग) वर्षा (घ) पतझड़

(ii) पल–पल कौन अपना वेश परिवर्तित कर रहा है ? (1)

(क) मौसम (ख) प्रकृति

(ग) पर्वत (घ) झरने

(iii) पर्वत की आँखे किसे कहा गया है ? (1)

(क) सुमनों को (ख) कलियों को

(ग) काँटों को (घ) पत्तों को

(iv) 'दर्पण–सा फैला है विशाल!' किसे कहा है– (1)

(क) तालाब को (ख) पहाड़ को

(ग) झरने को (घ) फूल को

(v) प्रस्तुत काव्यांश की रचना की है– (1)

(क) सुमित्रानंदन पंत (ख) महाप्रयाण निराला

(ग) मैथिलीशरण गुप्त (घ) जयशंकर प्रसाद

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3+3=6)

(क) 'ततँारा–वामीरो कथा' पाठ में वामीरों से मिलने के बाद ततँारा के जीवन में क्या परिवर्तन आया ?

(ख) 'बड़े भाई साहब' पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

(ग) 'तीसरी कसम' में रची–बसी करूणा तराजू पर तौली जा सकने वाली चीज़ नहीं थी–ऐसा लेखक ने क्यों कहा है?

12. डायरी का एक पन्ना (26 जनवरी, 1931) पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है ? (5)

अथवा

भाई साहब ने शिक्षा के किन तौर–तरीकों पर व्यंग्य किया है ?

13. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रशनों के उत्तर लिखिए–

मगर टाइम–टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके–हलके झोंके, फुटबॉल की वह उछल–कूद, कबड्डी के वे दाँव–घात, वॉलीबॉल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम–टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नज़र मेरी और उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार–सी लटकती मालूम होती।

(क) टाइम–टेबिल पर अमल नहीं होने के क्या कारण थे? (2)

(ख) भाई साहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर कब मिल जाता था? (1)

(ग) लेखक भाई साहब की आँखों से दूर रहने का प्रयास क्यों करता था? (1)

(घ) सिर पर एक नंगी तलवार–सी लटकती रहती–अर्थ लिखिए। (1)

अथवा

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार–निकोबार आपस में जुड़े हुए थे, तब वहाँ एक सुन्दर–सा गाँवा था–पासा। पासा में एक सुन्दर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँव वालों की ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा–भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व–त्योहारों के समय उस विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते।

(क) सभी लोग तताँरा का आदर क्यों करते थे ? (2)

(ख) तताँरा अपनी किन विशेषताओं के कारण चर्चित था ? (1)

(ग) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। (1)

(घ) तताँरा के गाँव का नाम क्या था? (1)

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> के उत्तर दीजिए– **(3+3+3=9)**

(क) मीराबाई ने श्री कृष्ण के किस अलौकिक रूप–सौदर्य का वर्णन किया है?

(ख) 'पर्वत प्रदेश में पावस' पाठ में किस ऋतु की कौन–सी विशेषताओं को दर्शाया गया है?

(ग) 'ऐकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ'–इस पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

(घ) ईश्वर कण–कण में व्याप्त है पर हम उन्हें देख नही पातें। क्यो?

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> के उत्तर दीजिए– **(3+3=6)**

(क) 'हरिहर काका' की कहानी किस यथार्थता को उजागर करती है?

(ख) हरिहर काका का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ग) अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं – पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

16. धर्म की आड़ में धर्म के ठेकेदारों के द्वारा कई अनैतिक कार्य किए जाते हैं। आपके अनुसार क्या ऐसा करना उचित है? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **(4)**

अथवा

हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे? (5)

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए।

(क) लड़का–लड़की एक समान–

संकेत बिंदु – भूमिका, समानताएँ, दकियानूसी विचारधारा, हमारा दायित्व, निष्कर्ष।

(ख) विद्यार्थी जीवन और फ़ैशन–

संकेत बिंदु – फ़ैशन का अभिप्राय, विद्यार्थियों पर बढ़ते फ़ैशन का प्रभाव, फ़ैशन के दुष्प्रभाव, समाधान रूपी निष्कर्ष

(ग) स्वतंत्रता स्वच्छंदता नहीं है–

संकेत बिंदु – स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ, स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में अंतर, स्वतंत्रता का संबंध स्वस्थ मनोवृत्ति तथा सामूहिक चेतना से है, निष्कर्ष।

18. आपके क्षेत्र में मच्छरों के काटने से मलेरिया तेज़ी से फैल रहा है, इसकी जानकारी देते हुए उचित रोकथाम के लिए स्वास्थ्य अधिकार को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

अपने विद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। (5)